Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग-हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

मार्च - 2015

अंक योजना - इतिहास (दिल्ली) कोड संख्या 61/1/2

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

1. मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान पूर्वक पढ़िए तभी किसी भी संशय की स्थिति में मुख्य परीक्षक से स्पष्टीकरण प्राप्त करें।

2. अंक योजना तैयार करते समय पूर्ण सावधानी बर्ती गई है। फिर भी यह ध्यान में रखना महत्त्वपूर्ण है कि यह न तो विस्तृत है और नही अन्तिम है। यदि परीक्षार्थी ने कोई अन्य उपयुक्त बिन्दु अपने उत्तर में दे दिया है जो अंक योजना में प्रश्न के उत्तर के लिए दिये गए बिन्दु से अतिरिक्त है, तो परीक्षार्थी को उसके लिए उपयुक्त अंक दिए जाये (पूर्ण लाभ)। जहाँ भी आवश्यकता पड़े वहाँ परीक्षक अपने ज्ञान तथा अनुभव का प्रयोग करें।

3. अंक योजना में प्रश्न के उत्तर के लिए केवल सुझात्मक मूल्य बिन्दु दिए गए हैं: ये केवल मार्ग दर्शन मात्र के लिए हैं न कि ये ही प्रश्न का पूर्ण उत्तर हैं। परीक्षार्थी अपने शब्दों में उत्तर लिखता है किन्तु सही लिखता है तो उसे इसके लिए उपयुक्त अंक दिए जाँय।

4. कुछ प्रश्न उच्च स्तरीय विचारणीय हो सकतें है। ऐसे प्रश्न आपके लिए विशेष रूप से तारांकित कर दिए गए है। इन सभी प्रश्नों का मूल्यांकन सावधानी पूर्वक किया जाय तथा परीक्षार्थी की समझ एवं विश्लेषणात्मक योगयता की जाँच की जाय।

5. मुख्य परीक्षकों को परीक्षकों द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाएँ पूरी तरह से जाचनी चाँहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्होंने अंक योजना के निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया है। शेष उत्तर पुस्तिकाए, यह सुनिश्चित करने के पश्चात कि उनके द्वारा जाँची गई उत्तर पुस्तिकाओं में प्रत्येक परीक्षक की जाँच में विशेष अन्तर नहीं है तभी उन्हें शेष उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचने के लिए दी जाँय।

6. मार्किंग न तो अति कठोर हो और ना ही अधिक उदार हो। गलत स्पैलिंग के लिए अंक न काटे जाये। गलत नामों के लिए, विस्तार में यदि कुछ कमी है या छोटी मोटी गलती है या कुछ छूट गया है तो उसके लिए भी अंक न काटे जाँय। उत्तर की शब्द सीमा पार करने पर भी अंक न काटे जाँय।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

7. यदि परीक्षार्थी दोनों विकल्पों के उत्तर लिख देता है तो दोनों विकल्पों को पढ़कर जो भी अच्छा हो उसके उपयुक्त अंक दिए जाँय।

8. अनेक उत्तरों के मूल्य बिन्दुओं में विशेष विभाजन किया गया है तो ऐसी स्थिति में परीक्षक विभिन्न विभाजनों में उनकी उपयुक्ता के अनुसार अर्थात यदि उत्तर में परीक्षार्थी की समझ और प्रश्न की सीमा के अनुसार अंक देन के लिए अपने विवेक के अनुसार मूल्यांकन कर सकते हैं।

9. अंक योजना में प्रश्न के उत्तर के लिए केवल सुझात्मक मूल्य बिन्दु दिए गए हैं: ये केवल मार्ग दर्शन मात्र के लिए हैं न कि ये ही प्रश्न का पूर्ण उत्तर हैं। परीक्षार्थी अपने शब्दों में उत्तर लिखता है किन्तु सही लिखता है तो उसे इसके लिए उपयुक्त अंक दिए जाँय। कुछ प्रश्न उच्च स्तरीय विचारणीय हो सकतें है। ऐसे प्रश्न आपके लिए विशेष रूप से तारांकित कर दिए गए हैं। इन सभी प्रश्नों का मूल्यांकन सावधानी पूर्वक किया जाय तथा परीक्षार्थी की समझ एवं विश्लेषणात्मक योगयता की जांच की जाय।

10. मूल्यांकन में सम्पूर्ण अंक पैमाने - 0 से 80 का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिन्दुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक दिए जाने चाहिए।

11. सभी तीनों सैटो के लिये अंक योजना अलग-अगल दी गई है।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अखिल भारतीय सीनियर सैकन्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा इतिहास

प्रश्न-पत्र-संख्या 61/1/2 (दिल्ली)

अंक योजना 2015

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
1	**भारतीय अभिलेख विज्ञान में जेम्स प्रिंसेप का योगदान** (i) जेम्स प्रिंसेप ने अभिलेखों और सिक्कों पर तिखि ब्राही और खरोष्ठी लिपियों का अर्थ निकाला। (ii) इससे इतिहासकारों को अशोक द्वारा अपनाई गई उपाधियों जैसे 'देवानापियं' (देवताओं का प्रिय) और 'पियदस्सी' (देखने में सुन्दर) का पता चल सका। (iii) उसने अशोक के अभिलेखों और शिलालेख पर लिखि लिपियों का अर्थ निकाला। (iv) इस शोध से आंरभिक भारत के राजनीतिक इतिहास के अध्ययन को नई दिशा मिली। (v) इससे इतिहासकारों को राजनीतिक परिवर्तनों और आर्थिक तथा सामाजिक विकासों के बीच संबंध का भी पता चल सका। (vi) इससे उपमहाद्वीप पर प्रमुख राजवंशो की वंशावलियां की पुर्नरचना की जा सकी। (vii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु (किन्हीं दो का स्पष्टीकरण) पृष्ठ 28, 29, 46	2
2	**भारतीयों के लिए फायदेमंद रेलवे** (i) रेलवे ने शहरों से दूर के क्षेत्रों को जोड़ा। (ii) आर्थिक गतिविधियां परांपरागत शहरों से नए शहरो में बदल गई थीं जैसे मिर्जापूर दक्कन के कपास तथा सूती वस्तुओं के संग्रह का केन्द्र था जो बम्बई की वजह से पहचान खोने लगा था। (iii) हर एक रेलवे स्टेशन कच्चे माल का केन्द्र और आयातित वस्तुओं का विवरण बिंदु बन गया। (iv) जमालपुर, वाल्टेयर और बरेली जैसे रेलवे नगर अस्तित्व में आ गये थे। (v) इसकी वजह से भारतीयों को नौकरियों की सुविधाएं भी बहाल हो सकी।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(vi) अब लोग शहर के केन्द्र से दूर जाकर भी बस सकते थे।	
	(vii) रेलवे के आने से पर्वतीय सैरगाहें बहुत तरह के लोगों की पहुंच में आ गई थी।	
	(viii) तमाम वर्गों के लोग बड़े शहरों में आने लगे।	
	(ix) मध्यम वर्ग बढ़ता चला गया।	
	(x) परंपरागत शहरों को अंत होता जा रहा था।	
	(xi) रेलवे नेटवर्क के विस्तार के बाद रेलवे वर्कशाप्स और रेलवे कालोनियों की भी स्थापना शुरू हो गई थी।	
	(xii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	
	(किन्हीं दो का विश्लेषण) पृष्ठ 323, 328	2
3	(क) अलवार और नयनार सेतों का मुख्य काव्य संकलन - **नलयिरादिव्य प्रबंधम्**	
	(ख) **तमिल क्षेत्रों के सरदारों द्वारा इनकों की गई मदद -**	
	(i) पल्लवों और पांडयों द्वारा भूमि - अनुदान दिए गए।	
	(ii) चोल शासकों ने विष्णु और शिव के मंदिरों के निर्माण के लिए अनुदान दिए और मंदिरों का निर्माण करवाया।	
	(iii) पत्थर और धातु से बनी मूर्तियाँ सुसज्जित करवायीं गई।	
	(iv) तमिल वेल्लाल कृषकों ने भी समर्थन दिया।	
	(v) इन्होंने संतों को राजकीय संरक्षण दिया।	
	(vi) चिदम्बरम, तंजावूर और गंगैकोंडचोलपुरम के विशाल मंदिरों का भी उल्लेख किया जा सकता है।	
	(vii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	
	(किसी एक का उल्लेख) पृष्ठ 145, 146	1+1 =2
4	**जोतदारों ने जमींदारों के अधिकारों की कमजोर किया**	
	(i) जमींदारों के विपरीत जो शहरी इलाकों में रहते थे, जोतदार गांवों में रहकर गरीब गांववासियों पर सीधा नियंत्रण करते थे।	
	(ii) जमींदारों द्वारा गांव की जमा (लगान) को बढ़ाने के लिए किए जाने वाले प्रयत्नों का वे प्रतिरोध करते थे।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iii) जमींदारी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों को पालन करने से रोकते थे। (iv) जो रैयत उन पर निर्भर रहते थे उन्हें वे अपने पक्ष में एकजुट रखते थे और जमींदार को राजस्व के भुगतान मे जान-बूझ कर देरी करा देते थे। (v) राजस्व का भुगतान न किए जाने पर जमींदारीं की निलामी करवा उनकी जमीनों को खुद ही खरीद लेते थे। (vi) गांवों में यह वर्ग प्रभावशाली होता जा रहा था। (vii) कुछ जगहों पर उन्हें 'हवलदार' या 'मंडल' कहते थे। (viii) उनके उदय से जमींदारों के अधिकार कमजोर पड़ रहे थे। (ix) स्थनीय व्यापार और कारोबार पर भी उनका नियंत्रण था और इस प्रकार वे गरीब काश्तकारों पर व्यापक शक्ति का प्रयोग करते थे। (x) बटाईदारों द्वारा जोती गयी फसल में भी वह हिस्सा लेते थे। (xiii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु। (किन्हीं चार का स्पष्टीकरण) पृष्ठ 261	4
5	**मोहनजोदड़ों के अवासीय भवन -** (i) बस्ती को दो भागों में विभाजित किया गया था- दुर्ग और निचला शहर निचले शहर में आवासीय भवन थे। (ii) इनमे से कई एक आँगन पर केद्रित थे जिनके चारों ओर कमरे बने थे। (iii) आंगन खाना पकाने और कताई करने जैसी गतिविधियों का केन्द्र था, खासतौर गर्म और शुष्क मौसम मे। (iv) एकांतता के लिए दीवारों में खिड़कियां नहीं थी। (v) हर घर का ईटों के फर्श से बना अपना एक स्नानघर होता था जिसकी नालियां दीवार के माध्यम से सड़क की नालियों से जुड़ी होती थी। (vi) कुछ घरों में दूसरे तल या छत पर जाने हेतु सीढ़िया बनाई गई थी। (vii) कई आवासों में कुएं थे जो अंधिकांशत एक ऐसेकक्ष मे बनाए गए थे जिसमे बाहर से आया जा सकता था। (राहगीरों के द्वारा प्रयोग किए जाते थे)। (ix) घरों की नालियां सड़कों की नालियों से जुड़ी होती थी। (x) अन्य कोई उपयुक्त बिन्दु पृष्ठ 7	4

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
6	**अभिजात वर्ग मुगल साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण स्तंभ था -** (i) अभिजात वर्ग में भर्ती विभिन्न नृ-जातीय तथा धार्मिक समूहों से होती थी। (ii) इससे यह सुनिश्चित होता था कि कोई भी दल इतना बड़ा न हो कि वह राज्य की सत्ता को चुनौती दे सके। (iii) मुगलों के अधिकारी-वर्ग को मुलदस्ते के रूप में वर्णित किया जाता था। (iv) लोग वफ़ादारी से बादशाह के साथ जुड़े थे। (v) अकबर के दरबार में इरानी, तूरानी, अफ़गानी आदि राजकीय नौकरियों पर थे। (vi) भारतीय मूल के दो शासकीय समूहों - राजपूतों व भारतीय मुसलमान (शेखज़ादाओं) शाही सेवा में थे। (vii) अभिजात वर्ग के खास सदस्यों में दीवान, सद्र-उस-सुदुर, मीरबख्शी थे। (viii) सरकारी अधिकारियों को 'जात' और 'सवार' के दर्जे और पद दिए जाते थे। (ix) 'जात' शाही पदानुक्रम में अधिकारी के पद और वेतन का सूचक था और 'सवार' यह सूचित करता था कि उससे सेवा में कितने घुड़सवार रखना अपेक्षित था। (x) यह सदस्य अकबर को राज्य के प्राशसनिक राजकोषीय वित्तिय पहलूओं पर मदद करते थे। (xi) अकबर ने अपने अभिजात वर्ग के कुछ लोगों को शिष्य (मुरीद) की तरह मानते हुए उनके साथ आध्यात्मिक रिश्ते भी कायम किए। (xii) अभिजात वर्ग के सदस्यों को शाही सेवा शक्ति, धन और उच्चतम प्रतिष्ठा प्राप्त थी। (xiii) मीरबख्शी नियुक्ति और पदोन्नति के सभी उम्मीदवारों को प्रस्तुत करता था। (xiv) सभी अधिकारियों के ओहदे, पदवियां और अधिकारिक नियुक्तियां राजा करता था। (xv) दरबार में नियुक्त (तैनात-ए-रकाब) अभिजातों का एक ऐसा सुरक्षित दल था जिसे किसी भी प्रांत या सैन्य अभियान में प्रतिनियुक्त किया जा सकता था। (xxi) वे प्रतिदिन दो बार सुबह व शाम को सार्वजनिक सभा-भवन में बादशाह के प्रति आत्मनिवेदन करने के कर्तव्य से बाँधे थे।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(xxi) दिन-रात बादशाह और उसके घराने की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी वे उठाते थे। (xxi) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु (किन्हीं चार का स्पष्टीकरण) पृष्ठ 243-246	4
7	**अभिलेख साक्ष्यों की सीमाओं की आलोचनात्मक परख -** (i) अक्षरों को हलके ढंग से उत्कीर्ण किया जाता है जिन्हें पढ़ पाना मुश्किल होता है। (ii) अभिलेख नष्ट भी हो सकते है जिनसे अक्षर लुप्त हो जाते हैं। (iii) अभिलेखों के शब्दों के वास्तविक अर्थ के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान हो पाना सदैव सरल नहीं होता। (iv) बहुत सारे अभिलेखों का अर्थ नहीं निकाला गया है। (v) कई हज़ार अभिलेखों को न ही प्रकाशित किया गया है और न अनुवाद किया गया है। (vi) राजनीतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण अभिलेखो को अंकित नहीं किया गया है। (vii) खेती की दैनिक प्रक्रियाऐं और रोजमर्रा की जिंदगी के सुख-दुख का उल्लेख अभिलेखों में नहीं मिलता है। (viii) अभिलेख हमेशा उन्हीं व्यक्तियों के विचार व्यक्त करते हैं जो उन्हें बनवाते थे। (ix) बहुत से अभिलेख बचाए नहीं जा सके हैं। (x) अभिलेखों का उदाहरण देकर इसकी सीमाओं को स्पष्ट किया जा सकता है। (xi) अन्य कोई उपयुक्त बिन्दु (किन्हीं चार का स्पष्टीकरण) पृष्ठ 47, 48	4
8	**भारत के विभाजन का बंगाल और पंजाब पर प्रभाव -** **पंजाब पर प्रभाव -** (i) विभाजन का सबसे खूनी और विनाशकारी रूप पंजाब में सामने आया। (ii) पश्चिमी पंजाब से तक़रीबन सभी हिंदुओं और सिखों को भारत की तरफ भेज दिया गया।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iii) तकरीबन सभी पंजाबी भाषी मुसलमानों को पाकिस्तान की तरफ हाँका गया। यह सब कुछ 1946 से 1948 के बीच हुआ। (iv) 1960 तक मुस्लिम परिवार पाकिस्तान जाकर बसते रहे। (v) लोगों के जन, जमीन, नौकरियां आदि सब छीन लिए गए। (vi) औरतों के भयानक अनुभव (vii) बहुत से सिख नेता और कांग्रेस से सदस्य बंटवारे को अनिवार्य विकृति मानते थे। (viii) कानून व्यवस्था का नाश (ix) पश्चिमी-पंजाब से आए लोगों को शरणार्थी शिविरों में रखा जाता था। (x) सिपाही और पुलिस कांस्टेबल अपने समुदायों को समर्थन देते थे। (ix) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु **बंगाल -** (i) बंगाल में पलायन ज्यादा लंबे समय तक चलता रहा। (ii) लोग ढीली-ढाली अंतर्राष्ट्रीय सीमा के आर-पार जाते रहे। (iii) उनकी पीड़ा बहुत लंबे समय की थी। (iv) बंगाल में धर्म के आधार पर आबादी का बटँवारा भी साफ नहीं था। (v) बहुत सारे बंगाली मुसलमान पश्चिम बंगाल में ही रूके रहे। (vi) बहुत सारे बंगाली हिंदू पूर्वी पाकिस्तान में चले गए। (vii) पूर्वी पाकिस्तानियों ने अपनी राजनीतिक पहलकदमी के जरिए जिन्ना के द्विराष्ट्र के सिंद्धात को नकार दिया। (viii) औरतों के साथ संवेदनशील रवैया नहीं दिखाया गया और यातना का मुख्य निशाना बनाया गया। (ix) लोगों के जान-मान की हानि। (x) शरणार्थी शिवरों में जिन्दगी	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(xi) भद्रलोक बंगाली हिंदुओं का तबका सत्ता अपने हाथ में रखना चाहता था; वह मुस्लमानों की स्थायी गुलामी को आंशका से भयभीत था। (xii) कानून व्यवस्था तथा सरकारी संस्थाओं का नाश किया गया। (xiii) सैनिक और पुलिस के लोग अपने समुदायों को समर्थन देते थे। (xiv) अन्य कोई उपयुक्त बिन्दु (किन्हीं चार बिंदुओं का स्पष्टीकरण) पृष्ठ 391, 397	
9	**अमर नायक प्रणाली -** (i) विजयनगर साम्राज्य में अमर-नायक सैनिक कमांडर थे। (ii) यह किलों का नियंत्रण और सेना के प्रमुख होते थे। (iii) आमतौर पर यह किसानों के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर उपजाऊ भूमि की तलाश में भ्रमणशील रहते थे। (iv) यह सैनिक कमांडर होते थे जिन्हें राय द्वारा प्रशासन के लिए राज्य क्षेत्र दिए जाते थे। (v) वे किसानों, शिल्पकर्मियों तथा व्यापरियों से भू-राजस्व तथा अन्य कर वसूल करते थे। (vi) वे राजस्व का कुछ भाग व्यक्तिगत उपयोग तथा छोड़ों और हाथियों के निर्धारित दल के रख-रखाव के लिए अपने पास रख लेते थे। (vii) ये दल विजयनगर शासकों को एक प्रभावी सैनिक शक्ति प्रदान करने में सहयक होते थे जिसकी मदद से उन्होंने पूरे दक्षिणी प्रायद्वीप को अपने नियंत्रण में किया। (viii) राजस्व का कुछ भाग मन्दिरों तथा सिंचाई के साधनों के रख-रखाव के लिए खर्च किया जाता था। (ix) अमर-नायक राजा को वर्ष में एक बार भेंट भेजा करते थे और स्वामिभक्ति प्रकट करने के लिए राजकीय दरबार में उपहारों के साथ स्वंय उपस्थित हुआ करते थे।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(x) राजा कभी-कभी उन्हें एक से दूसरे स्थान पर स्थानांत्रित कर दिया करता था।	
	(xi) इनमें से कई नायकों ने अपने स्वतंत्र राज्य स्थापित कर लिए जिससे केन्द्रीय राजकीय ढांचे का विघटन तेजी से होने लगा।	
	(xii) कोई अन्य उपयुक्त बिंदु	
	(किन्हीं चार का स्पष्टीकरण) पृष्ठ 175	4
10	**मूल्य आधारित प्रश्न -**	
	(i) रानी झांसी, तांत्या तोपे, मंगलपांडे और अन्य प्रेरणात्मक लोगों का वीरतापूर्ण संघर्ष।	
	(ii) मातृभूमि के लिए हिन्दू-मुस्लिमों का त्याग/बलिदान	
	(iii) एकता और अंखडता की भावना	
	(iv) मातृभूमि के लिए संघर्ष	
	(v) शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व	
	(vi) एकता की भावना	
	(vii) राष्ट्रीय अस्मिता और देश के प्रति प्यार	
	(viii) स्वतंत्रता की कामना।	
	(ix) वीर नेताओं की आत्मसम्मान की लड़ाई, पक्षपात और अन्याय के विरूद्ध संघर्ष।	
	(x) देशभक्ति के लिए औरतों की भूमिका	
	(xii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	
	(उदाहरण सहित चार का आंकलन कीजिए)	4
11	**गांधीजी और असहयोग आंदोलन**	
	(i) गांधीजी ने राष्ट्रवादी संदेश के लिए अंग्रेजी भाषा की जगह मातृभाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित किया।	
	(ii) असहयोग आंदोलन के दौरान उन्होंने लोगों को रॉलेट ऍक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड के खिलाफ प्रेरित किया।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iii) उन्होंने खिलाफत आंदोलन को प्रोत्साहन दिया और स्वराज की मांग की। (iv) वह आत्मानुशासन और परित्याग से जन नेता बने। (v) उन्होंने चरखे के द्वारा स्वशासन की अवधारणा को प्रोत्साहित किया। (vi) उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद के लिए किसानों, श्रमिकों ओर कारीगरों को भाग लेने को कहा तथा व्यवसायिकों व बुद्धिजीवियों को भी भारत के लिए एकजुटता और प्रतिनिधित्व को बात कही। (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय भाषण का संदर्भ देते हुए) (vii) अहमदाबाद, खेड़ा और चम्पारन के नेतृत्व का उल्लेख (viii) उन्होंने सत्याग्रह को लोकप्रिय बनाया। (ix) असहयोग को खिलाफत के साथ मिलाने से भारत के दो प्रमुख धार्मिक समुदाय- हिंदू और मुसलमानों ने मिलकर औपनिवेशक सरकार को अंत करने के लिए प्रयास किया। (x) ये बातें औपनिवेशिक भारत में बिलकुल ही अभूतपूर्त थी। (xi) अंहिसा का सिद्धान्त (xii) स्वेदेशी और बहिष्कार आंदोलन (xiii) 'गांधीवादी राष्ट्रवाद' की शुरूआत की गई। (xiv) उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता, घर में बुने कपड़े (खादी की बढ़ावा देने) तथा छूआ-छूत को समाप्त करने क साथ औरतों की सामाजिक स्थिति को ऊंचा करने की बात कहीं। (xv) उन्होंने स्वदेशी और बहिष्कार के लिए लोगों से अपील की। (xvi) उन्होंने आम लोगों के पहनावे और जीवन शैली को बल दिया। (xvii) उन्होंने राष्ट्रवादी सिंद्धात को बढ़ावा देने के लिए "प्रजा मंडलो" की श्रृंखला स्थापित की। (xviii) उन्होंने महादेव देसाई, वल्लभ भाई पटेल, जे.बी कृपलानी, सुभाष चंद्र बोस अब्दुल कलाम आज़ाद, जवाहरलाल नेहरू, सरोजिनी नायडू, गोविंद वल्लभपंत, और सी. राजगोपालाचारी जैसे प्रतिभाशाली वर्ग व धार्मिक वर्ग को जोड़ा।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(xix) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु कोई आठ बिंदुओं का स्पष्टीकरण पृष्ठ 349-355	8
12	**सांची की संरचनात्मक और मूर्तिकला की विशेषताएं -** **सरचनात्मक विशेषताएं** (i) बुद्ध के अवशेषों या उनके द्वारा प्रयुक्त सामान को गाड़े जाने वाले पवित्र स्थान पर स्तूप बनाए जाते थे। (ii) स्तूप का अर्थ एक गोलार्ध लिए हुए मिट्टी के टीले से है जिसे बाद में अंड कहा गया। (iii) धीरे-धीरे इसकी संरचना ज्यादा जटिल हो गई जिसमें चौकोर और गोल आकारो का संतुलन बनाया गया। (iv) अंड एक छज्जे जैसा ढाँचा देवताओं के घर का प्रतीक था। (v) हर्मिका से एक मस्तूल निकलता था जिसे यष्टि कहते थे। (छत्री) (vi) टीले के चारों और एक वेदिका होती थी जो पवित्र स्थल को सामान्य दुनिया से अलग करती है। (vii) पत्थर की वेदिकाएं और तोरणद्धार हैं जो किसी बांस के या काठ के घेरे के समान थी। (viii) चारों दिशाओं में खड़े तोरणद्धार पर खूब नक्काशी की गई थी। (ix) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु किन्हीं चार को स्पष्ट किया **मूर्तिकला की विशेषताएं** (i) तोरणद्धार की मूर्तिकला जातक की कहानियों से ली गई थी। (ii) 'रिक्त स्थान' बुद्ध के ध्यान की दशा तथा 'स्तूप' महापरिनिब्बान का प्रतीक है। (iii) चक्र, बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश का प्रतीक था।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iv) शालभंजिका की मूर्ति के लिए कहा जाता है जिसके छुए जाने से वृक्षों में फूल खिल उठते थे।	
	(v) जो लोग बौद्ध धर्म में आए उन्होंने बुद्ध-पूर्व और बौद्ध धर्म से इतर दूसरे विश्वासों, प्रथाओं और धारणाओं से बौद्ध धर्म को समृद्ध किया।	
	(vi) यहां जातकों से ली गई जानवरों की कई कहानियां है जैसे हाथी, घोड़े, बंदर और गाय - बैल आदि। हाथी शक्ति और ज्ञान के प्रतीक माना जाता था।	
	(vii) इन प्रतीकों में कमल दल और हाथियों के बीच बुद्ध की मां माया की मूर्ति है पर दूसरे इतिहासकार उन्हें गजलक्ष्मी मानते है।	
	(viii) कई स्तंभों पर सर्प भी दिखते है जो लोक परंपराओं का हिसा है।	
	(ix) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	
	किन्हीं चार को स्पष्ट कीजिए। पृष्ठ 95-103	4+4 = 8
13	**मुगल पंचायतों की भूमिका -**	
	(i) गांव की पंचायत में बुजुर्गों का जमावड़ा होता था जिनके पास सम्पति के पुश्तैनी अधिकार होते थे।	
	(ii) यह एक अल्पतंत्र था जिसमे संप्रदायो और जातियों की नुमाइंदगी होती थी।	
	(iii) पंचायत के मुखिया को मुक़द्दम या मंडल कहते थे जिनका चुनाव लोगों की सहमति से होता था।	
	(iv) मुखिया अपने ओहदे पर तभी तक बना रहता था जब तक बजुर्गो का भरोसा था।	
	(v) गावं के आमदनी व खर्चे का हिसाब-किताब मुखिया का मुख्य काम था जो पटवारी की मदद से करता था।	
	(vi) पंचायत का खर्चा गावं के आम खजाने से चलता था जिसमे हर व्यक्ति अपना योगदान देता था।	
	(vii) अधिकारियों की खातिरदारी, प्राकृतिक विपदाओं को निपटना, सामुदायिक कार्यो, बांध बनाना या नहर खोदने का काम खजाने से खर्च किया जाता था।	
	(viii) पंचायतों का जुर्माना लगाने और समुदाय से निष्कासित करने जैसे ज्यादा गंभीर दंड देने के अधिकार थे।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(ix) ग्राम पंचायत के अलावा गावं में हर जाति की अपनी पंचायत होती थी। (x) राजस्थान में जाति पंचायतें जातियों के बीच दीवानी के झगड़ों की निपटाती थी। (xi) राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे प्रांतो में जबरन कर वसूली की अर्जियां दाखिल की गई। (xii) ग्राम पंचायत मसलों की सुनवाई करता था। (xxiii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु (किन्हीं आठ बिंदुओं का स्पष्टीकरण) पृष्ठ 202, 203, 204	8
14	**देश का बंटबारा एक सांप्रदायिक राजनीति -** (i) अंग्रेजों ने 'बांटो और राजकरो' की नीति से संप्रदायिकता को बढ़ावा दिया। (ii) मध्य और आधुनिक युगों में हुए हिंदू-मुस्लिम झगड़ों के लंबे इतिहास से जोड़ने पर इतिहासकारों में भी विरोधाभास है। (iii) मुस्लिम लीग के निर्माण को प्रोत्साहन (iv) 1909 में मुस्लिमों के लिए पृथक चुनाव क्षेत्रों की बात। (v) 1919 की सांप्रदायिक राजनीति जिसमें पृथक चुनाव क्षेत्रों को बढ़ावा दिया गया। (vi) 'तबदील' और 'शुद्धि' की नीतियों का प्रसार (vii) इकबाल के विचार (viii) 1940 में मुस्लिम लीग की स्वायत्तता को मांग का प्रस्ताव। (ix) 1937 चुनाव (x) मुस्लिम लीग का उत्तर-पश्चिमी भारतीय मुस्लिम राज्य की जरूरत पर जोर (xi) जिन्ना की ''पाकिस्तान की मांग'' (xii) भारतीय राष्ट्रीय क्रांग्रेस का 'भारत छोड़ो आदोलन' में मुस्लिम लीग का साथ न देना।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(xiii) मुस्लिम के लीग के 'केबीनेट मिशन' पर विचार (समूहबद्धता अनिवार्य, संघ से अलग होने का अधिकार, नए चुनावों की व्यवस्था) (xiv) प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस (Direct Action day) 1946 (xv) 1946 के सांप्रदायिक दंगे (xvi) मांऊटबेटन प्लान (xvii) बंटवारे के बाद सांप्रदायिक दंगे (xviii) अन्य कोई महत्वपूर्ण बिंदू। (किन्हीं आठ बिंदुओं का विश्लेषण) पृष्ठ 383 - 391	8
15.1	फ्रांस्वा बर्नियर की किताब का नाम - **''ट्रैवल्स इन मुगल इंपायर''**	
15.2	**बर्नियर का भारतीय कृषकों का विवरण -** (i) सरकार के उत्पीड़न की वजह से उनमें दरिद्रता (ii) कृषि की बरवादी (iii) किसानों पर अत्याचार (iv) निर्वाह के तरीकों का अभाव (v) कृषकों को बच्चों से भी हाथ धोना पड़ा क्योंकि उन्हें दास बना कर ले जाया गया। (vi) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु।	
15.3	**16वीं शताब्दी में मुगल भारत और यूरोप में विभिन्नताएँ** (i) भारत में निजि भूस्वामित्व का अभाव था जबकि यह सिंद्धात यूरोप में विद्यमान था। (ii) उसने भारत में भूमि पर राजकीय स्वामित्व की बात कही है। (iii) भारत की कृषि भूमि पर लम्बे निवेश व रख-रखाव पर ध्यान नहीं दिया जाता था।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iv) भारत में केवल शिविर-शहर थे।	
	(v) भारत में केवल दो वर्ग थे - अमीर और गरीब	
	(vi) मध्यम वर्ग का अभाव था	
	(vii) राजा "भिखारियों और क्रूर लोगों का राजा था।	
	(viii) इसके शहर और नगर विनष्ट तथा 'खराब हवा' से दूषित थे।	
	(ix) इसके खेत 'झाड़ीदार' तय 'घातक दलदल' से भरे हुए थे।	
	(x) अन्य कोई उपयुक्त बिंदू।	
	(कोई तीन बिंदु) पृष्ठ 131	1 + 3 + 3 = 7
16.1	**द्रौपदी के प्रश्न ने सभा में सबको बेचैन क्यों कर दिया -**	
	(i) बैचेन इसलिए किया क्योंकि वह अपने बड़ों से उस बर्ताव का स्पष्टीकरण मांग कर रही थी।	
	(ii) वह अपने पति अपने बड़ों से 'दाँव' पर लगने की बात का प्रश्न पूछ रही थी।	
	(iii) पर किसी के पास उसके प्रश्नों के जवाब नही थे।	
	(iv) समस्या का कोई हल नहीं था।	
	(v) अन्य कोई उपयुक्त बिंदू।	
	(कोई दो)	
16.2	**उसके प्रश्न का प्रभाव**	
	(i) सभा के लोगों के पास उसके प्रश्न का उत्तर नहीं था।	
	(ii) उसके प्रश्न ने सभा के लोगों को सीमाओं पर विचार करने पर मजबूर किया।	
	(iii) उसकी वजह से ही वह अपनी और अपने पतियों की स्वतंत्रता की बात कर सकी।	
	(iv) सभा के लोगो के उसके प्रश्न पर अनेक मत थे।	
	(v) इस प्रश्न का हल मुश्किल था।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(vi) उसने औरत के दांव पर लगने वाली बात को लोगों को सोचने पर मजबूर किया।	
	(vii) वह आज की औरतों की अवबोध बनी।	
	(viii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदू।	
	(कोई तीन)	
16.3	**द्रौपदी का प्रश्न प्रशंसनीय क्यों था -**	
	(i) बड़े लोगों की सभा में अपनी परिस्थिति पर उसने प्रश्न किया।	
	(ii) उसने बड़े लोगों को उनकी गलतियों से अवगत करवाया।	
	(iii) उसने उनके अंतकरणः को जागृत किया।	
	(iv) जो हुआ उसके लिए बड़ों ने शर्मिंदगी महसूस की।	
	(v) उसको संपति मान कर दांव पर लगाने वाली बात पर प्रश्न उठाया।	
	(vi) उसको सभा में अपमानित करने पर प्रश्न उठाया।	
	(vii) उसने बड़ों से अपनी गरिमा और सम्मान पर खतरे की बात पर प्रश्न पूछी।	
	(viii) वह समसायिक स्त्री वर्ग का आदर्श बन गई।	
	(ix) वह बुद्धिमता का प्रतीक थी।	
	(viii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु।	
	पृष्ठ	2+3+7
17.1	**गोविन्द वल्लभ पंत का आत्मानुशासन की कला पर जोर -**	
	(i) लोकतंत्र की सफलता के लिए।	
	(ii) निष्ठावान नागरिक बनने के लिए।	
	(iii) समुदाय और मदद को बीच में रख कर सोचने की आदत छोड़नी होगी।	
	(iv) अन्य कोई उपयुक्त बिंदू।	
	(कोई दो बिंदु)	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
17.2	**लोकतंत्र की सफलता -** (i) आत्मानुशासन के द्वारा (ii) निष्ठावान नागरिक बनकर (iii) समुदाय और निजी बातों पर विचार न किया जाए (iv) अपने लिए कम ओर औरों के लिए ज्यादा फ्रिक करके (v) खंडित निष्टा का परिहार करके (vi) देश और राज्य के लिए निष्ठा रख कर (vii) बृहतर या दूसरो के हितों का ध्यान रखकर (vii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदू। (कोई तीन बिंदु)	
17.3	**अपनी परवाह कम और अन्यों की अधिक परवाह -** (i) खंहित निष्ठा नहीं हो सकती (ii) अन्यों को हितों की परवाह करके (iii) राज्य और सरकार की तरफ निष्ठा रख कर (iv) अपने अपव्यय पर अंकुश लगा दूसरो के हितो को ध्यान रख कर (v) अन्य कोई ओर उपयुक्त बिंदू। (कोई दो बिंदु) पृष्ठ 419	2 + 3 + 2 = 7
18	मानचित्र पर अंकित (A) चम्पारन (B) खेड़ा/अहमदाबाद (C) अमृतसर (i) नागेश्वर (ii) विजयनगर	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

-- Cut Here ---------- यहाँ से काटें ---------- Cut Here ---------- यहाँ से काटें --

61/1/1, 61/1/2, 61/1/3

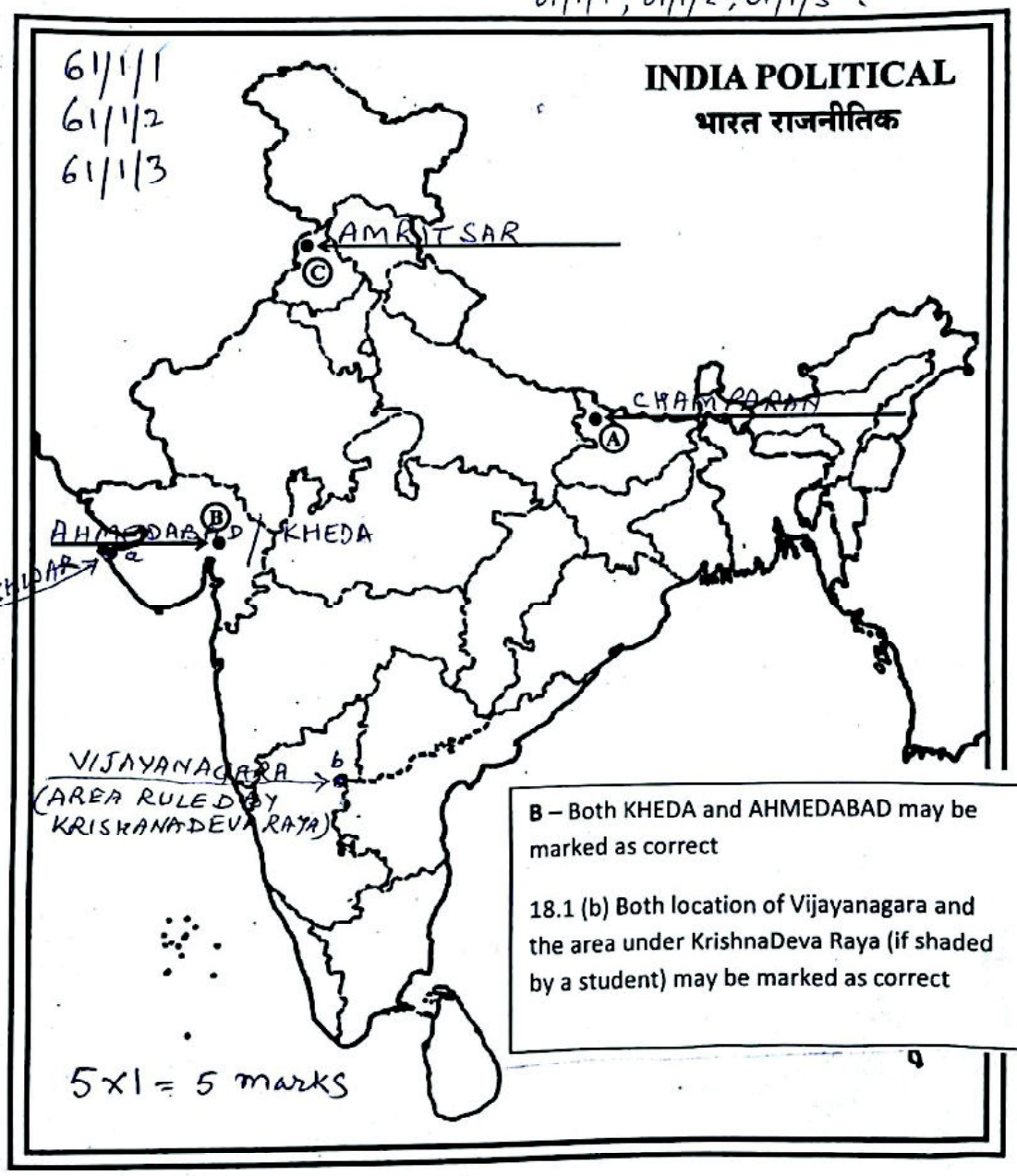

B – Both KHEDA and AHMEDABAD may be marked as correct

18.1 (b) Both location of Vijayanagara and the area under KrishnaDeva Raya (if shaded by a student) may be marked as correct

Downloaded From: http://www.cbseportal.com